जल ही जीवन है।

केस स्टडी

नाम	**लीला नायक**
पता	मुण्ड़कोषा जिला मन्दसौर
उम्र	60
जाति	आदिवासी
व्यवसाय	खेतीहर मजदूर
शिक्षा	अशिक्षित

मेरा नाम लीला नायक है। मैं जिला मन्दसौर के ब्लॉक मल्हारगढ़ की ग्रम पंचायत बरखेड़ा जयसिंह के छोटे से गांव मुण्ड़कोषा में रहती हूँ। हमारे गावं में कुल 19 परिवार है जिसमें 150 के लगभग सदस्य रहते है। हमारे गावं में सारे परिवार आदिवासी है और सभी खेती मजदूरी का काम करके अपने परिवार का पालन पोषण करते है। मैरे परिवार में हम कुल 3 सदस्य रहते है मैं और मैरे दो लड़के प्रकाश और राहुल जो कि मैरे साथ ही खेती मजदूरी का काम करते है। खेती मजदूरी के अलावा गावं में बकरी पालन का काम करते है और कोई अन्य रोजगार नहीं है।

हमारे गावं में पीने के पानी की बहुत समस्या थी हालाकि हमारे गावं में एक सरकारी हेण्डपम्प और कुआॅ भी है लेकिन इनमें गर्मीयों के समय पानी नहीं रहता था। पीने के पानी के लिए हमें दुसरें आस–पास के गांवों पर निर्भर रहना पड़ता था। पानी लाने में पुरा दिन भी लग जाता था जिससे मेरी मजदूरी का भी नुकसान होता। कभी–कभी तो पीने के पानी की समस्या के कारण गॉव के बच्चे स्कुल तक नहीं जा पाते थे क्याकि उनकों भी पानी लेने जाना पडता था।

जब महिला श्रम सेवा न्यास के साथ हमारें गावं में पंचायत से बोरींग लगवाकर पानी की मोटर व पाईप का काम करवाया। 3 हजार लीटर की पीने के पानी की टंकी व स्टेण्ड़ के साथ ही बोरींग से टंकी तक पानी की पाईप लाईन भी लगवाई। संस्था के इस काम से मेरी ही नहीं पुरें गावं के परिवारों के पीने के पानी की समस्या का समाधान हुआ। अब मुझे पीने के पानी के लिए कौसों दुर नहीं जाना पड़ता और ना ही मजदूरी का नुकसान होता है।